Page No.:

Date:

UG study material for students of History

Subject : History

Class : U.G Semester IV

Paper : MJC-06

Topic : Reforms of Napoleon as first Consul (प्रथम कॉन्सल के रूप में नेपोलियन के सुधार) : IV

By : Dr. Rajiv Nayan,
Associate Professor,
Dept. of History,
Jagjiwan College, Ara.

Scanned by CamScanner

# प्रथम कॉन्सल के रूप में नेपोलियन के सुधार : IV
# (Reforms of Napoleon as First Consul) : IV

## नेपोलियन-संहिता (Civil Code of Napoleon)

नेपोलियन के शासन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण उपलब्धि पाँच विधान-संहिताओं के क्रम का संग्रह प्रस्तुत करना था। अन्य सार्वजनिक सेवाओं की तरह नेपोलियन ने कानूनी अदालतों का भी पुनर्गठन किया। जजों के चुनाव की प्रणाली खत्म कर फर्स्ट कौंसिल (बाद में सम्राट द्वारा उन्हें नामजद किया जाने लगा। लेकिन, इसकी सबसे बड़ी न्यायिक उपलब्धि एवं कानूनों की पुनर्रचना थी। पुराने राज में फ्रांस में कोई सामान्य कानून नहीं था। स्थानीय कानूनों का गड़बड़झाला व्याप्त था जिस पर सामंती रिवाजों, शाही फर्मानों तथा धर्मपीठ के कानूनों का बेशुमार बोझ लदा हुआ था। यह इस राज की सबसे बड़ी बुराई थी। संपत्ति के अधिकार तथा नागरिक अधिकार क्रांति की उथल-पुथल में पूरी तरह बदल चुके थे। कानूनी ढाँचे को परिभाषित, सुस्थिर एवं संहिताबद्ध करना बहुत जरूरी था। क्रांतिकारी विधान सभाओं ने एक रूप, लिखित विधि-संहिता के लिए समितियाँ स्थापित कीं, लेकिन इस काम को कोई पूरा नहीं कर पायी।

यह महसूस करते हुए कि सामने



Scanned by CamScanner

को अब और टाला नहीं जा सकता, नेपोलियन ने फर्स्ट कौंसिल बनते ही तेजी से हरकत में आकर वकीलों की समिति इसके लिए स्थापित की। उन्हें काम को पाँच महीनों में पूरा करने का आदेश दिया। इसके मसविदे पर काउंसिल ऑफ स्टेट ने चौरासी सत्रों तक बहस की, इनमें से छत्तीस की अध्यक्षता खुद नेपोलियन ने की। उसने इस चर्चा में ठोस और निर्णायक हिस्सा लिया। अन्तिम परिणाम 'सिविल कोड' या नेपोलियन-संहिता के नाम से सामने आया तथा 1904 ई० से लागू हो गया।

यह विशाल उपलब्धि नेपोलियन द्वारा नियुक्त विधिज्ञों की मेहनत का मुख्यतः फल थी, लेकिन उसकी योजनाओं की देख-रेख स्वयं फर्स्ट कौंसिल ने की थी। हालाँकि वह कानून बहुत कम जानता था, अपनी तीव्र आकलन शक्ति तथा व्यावहारिक बुद्धि के कारण, उसने महत्वपूर्ण योगदान दे सका था।

नेपोलियन संहिता विधि-सिद्धांतों का एक संक्षिप्त एवं स्पष्ट संकलन है। वह सिद्धांतों की अपेक्षा व्यवहार, ज्ञान तथा अनुभव पर ज्यादा आधारित है। वह किसी राजनीतिक या धार्मिक पूर्वाग्रह से ग्रसित भी नहीं है। उसमें धार्मिक सहिष्णुता तथा नागरिक अधिकारों



Scanned by CamScanner

की क्षमता प्रदान की गयी है। सिविल मैरिज तथा तलाक को कुछ सीमाओं में मान्यता दी गयी है। नेपोलियन पारिवारिक अनुशासन को बहुत महत्व देता था। वह फ्रांस में कई अनुशासन का अनुपालन कराने वाले पिताओं, आज्ञाकारी पुत्रों तथा बिना अधिकार वाली परतंत्र स्त्रियों की कल्पना करता था। विधान-संहिता पर उसकी इन मान्यताओं का प्रभाव अनिवार्य रूप से पड़ा। इसके द्वारा परिवार के स्वामी का अधिकार काफी दृढ़ बनाया गया। नवीन विधान-संहिता में पत्नी पूर्णतया पति के नियंत्रण में रखी गयी, तलाक की पद्धति को कठिन बनाया गया और पारिवारिक सम्पत्ति को बेचने को भी देने का अधिकार परिवार के स्वामी को दिया। सिविल विवाह और तलाक की प्रथा को मान्यता देकर नेपोलियन ने यूरोप में इस बात का प्रदर्शन किया कि बिना पादरियों के सहयोग से भी समाज का काम चल सकता है।

नेपोलियन-संहिता में क्रांति की उपलब्धियों को सुरक्षित करने का प्रयास किया गया। क्रांति के मूलभूत सिद्धांतों में से एक - कानून की नजर में सभी नागरिकों का समान होना - को बरकरार रखा गया। कोड ने सारे देश के लिए एक समान कानून, धार्मिक स्वतंत्रता तथा धर्मनिरपेक्ष राज्य की स्थापना की।



Scanned by CamScanner

बाद वाले कुछ संहिता (जैसे 1806 ई० में लागू किया गया कोड ऑफ सिविल प्रोसिजूर) क्रांतिपूर्व फ्रांस के कानूनों से बहुत मिलते-जुलते थे। 1810 ई० में संग्रहित कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसिजूर तथा पेनल कोड नेपोलियन की बढ़ती हुई अधिनायकवादी प्रवृत्ति को परिलक्षित करते थे। इनमें माध्यम से व्यक्ति और संपत्ति के विरुद्ध किये गये अपराधों के साथ-साथ राजनीतिक अपराधों के लिए भी कठोर दण्ड देने की व्यवस्था की गयी। 1807 ई० में बनाये गये व्यापारिक कोड में पुराने राजतंत्र के बहुत से नियमों को बरकरार रखा गया। इनमें श्रमजीवियों के हित की पूरी उपेक्षा की गयी थी। इस प्रकार का प्रावधान रखकर नेपोलियन ने क्रांति के आदर्शों के विरुद्ध काम किया। फिर भी, उसकी विधान-संहिताओं के महत्व को कम करके नहीं आँका जा सकता है। यह नेपोलियन की एक स्थायी कीर्ति है। यह आज भी फ्रांस की कानूनी पद्धति का मुख्य आधार है। यूरोप के कई अन्य देशों में भी यह कोड लागू है।

एच० ए० एल० फिशर की सिविल कोड या नेपोलियन संहिता पर टिप्पणी है, "आलोचकों



Scanned by CamScanner

ने सिविल कोड पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि यह एक जल्दबाजी में लिखित रचना, जो कि नोट-बुक जैसा ढाँचा है जिसमें आम कानूनी सिद्धांतों का संकेत किया गया है लेकिन जीवन की जटिल स्थितियाँ उसमें नहीं मिलतीं। यह एक ऐसा काम था जिसके लिए आज के जर्मनों ने पंद्रह वर्षों तक कठोर प्रयास किया। नेपोलियन ने इसे चार महीनों में पूर्ण करने का साहस दिखाया। फिर भी, यह नागरिक संहिता; चाहे जितनी अपूर्ण हो, 'बिना संहिता' से तो बहुत हद तक बेहतर हीं थी। और यदि यह काम जैसा और जब हुआ, वैसा और तब नहीं हुआ होता तो फ्रांस संभवतः अब तक संहिताहीन बना रहता। एक कानून दो-दो सौ रिवाजों से बेहतर है। जनता विशेषाधिकार से अच्छी है। एक छोटी-सी पुस्तक की गागर में सभ्य और लोकतांत्रिक सभ्यताओं के लिए रूपरेखा, क्रांतिकारी कानूनों का भण्डार, पुरानी प्रथाओं का निचोड़, महिला स्वातंत्र्यवादी तथा समाजवादी आकांक्षाओं आदि का सागर भर दिया गया है; जिसे हर स्त्री-पुरुष आसानी से पढ़ सकता है। सभ्यता के इतिहास में इसका महत्व इस सच्चाई में निहित है कि वह यूरोप में फ्रांसीसी क्रांति द्वारा प्रारंभ विशाल सामाजिक सुधारों को शब्दबद्ध करता है। ये संहिताएं क्रांतिकारी भावना की सारभूत विजयों को सहेजे हुए हैं।"



Scanned by CamScanner